शुगर प्रॉडक्शन के आंकड़े फिर से चेक करें राज्य: फूड मिनिस्ट्री

[पीटीआई | नई दिल्ली]

शुगर मिलों के उत्पादन कम दिखाने की आशंका के चलते केंद्रीय खाद्य मंत्रालय ने राज्यों से शुगर प्रॉडक्शन के आंकड़ों को ठीक से जांचने की मांग की है। मिनिस्ट्री ने राज्यों से कहा है कि अगर लगातार दूसरे साल 2016-17 में शुगर प्रॉडक्शन 2.25 करोड़ टन के कम लेवल पर रहने का अनुमान है तो इसकी फिर से जांच करें।

राज्यों से कहा गया है कि वे शुगर आउटपुट को लेकर पूरी तरह से केंद्रीय कृषि मंत्रालय के गन्ना उत्पादन आंकड़े पर न जाएं। राज्यों से यह अनुरोध इस वजह से किया गया है कि फसल उत्पादन के आंकड़ों पर संदेह बना हुआ है।

शुगर उत्पादक राज्यों के साथ हुई मीटिंग में केंद्रीय खाद्य मंत्रालय के अधिकारियों ने उत्तर प्रदेश को छोड़कर बाकी राज्यों के शुगर प्रॉडक्शन के आंकड़ों में ज्यादा बदलाव नहीं पाया। केवल उत्तर प्रदेश ने ज्यादा शुगर प्रॉडक्शन का आंकड़ा दिया है। इनके विश्लेषण के बाद मिनिस्ट्री ने कहा है कि मार्केटिंग ईयर 2016-17 (अक्टूबर से सितंबर) में देश में शुगर का ओवरऑल प्रॉडक्शन 2.25 करोड़ टन रह सकता है। खाद्य मंत्रालय के एक सीनियर अफसर ने कहा कि उत्पादन के आंकडों में बाद में संशोधन किया जाएगा। इसमें महाराष्ट्र और कर्नाटक में अप्रैल से मई के दौरान मिड-ईयर गन्ना फसल से हुए शुगर आउटपुट को ध्यान में रखा जाएगा। अधिकारी ने कहा कि शुगर प्रॉडक्शन की सटीक तस्वीर हासिल करने के लिए राज्यों से कहा गया है कि वे गन्ना उत्पादन के आंकड़ों का अपने स्तर पर वेरिफिकेशन करें और इसके लिए सैटेलाइट इमेज का सहारा लें। अधिकारी ने कहा कि शुगर प्रॉडक्शन की सही तस्वीर सामने आने पर ही इस बारे में कोई उचित नीति बनाई जा सकेगी। राज्यों से कहा गया है कि वे पूरी तरह से कृषि मंत्रालय के गन्ना उत्पादन के आंकड़ों के ही भरोसे न रहें। अधिकारी ने बताया कि राज्यों से कहा गया है कि वे मिल-आधारित शुगर उत्पादन के आंकड़े इकट्ठा करें और यह देखें कि कहीं मिलें उत्पादन को कम करके तो नहीं दिखा रही हैं। अधिकारी ने कहा, 'इस बात की संभावनाएं है कि मिलें उत्पादन के गलत आंकड़े दे रही हों। मिल-आधारित शुगर उत्पादन के आंकड़े इकट्ठे करने से तस्वीर साफ होगी।'

यूपी के डेटा में ज्यादा बदलाव

- **फूड मिनिस्ट्री** ने राज्यों से कहा है कि अगर लगातार दूसरे साल 2016-17 में शुगर प्रॉडक्शन 2.25 करोड़ टन के कम लेवल पर रहने का अनुमान है तो फिर से जांच हो
- **शुगर उत्पादक** राज्यों के साथ हुई मीटिंग में मंत्रालय के अधिकारियों ने उत्तर प्रदेश को छोड़कर बाकी राज्यों के शुगर प्रॉडक्शन के आंकड़ों में ज्यादा बदलाव नहीं पाया

The Economic Times (Hindi)
26/1/17